सं श्रो. वि/एफ.डी./14-84/30104.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. 1 एशिया फाउण्डरी, प्लाट नं. 258, सैक्टर 24, फरीदाबाद, 2. मैनेजिंग डायरंक्टर, में. एशिया फाउण्डरी मार्फत मैं. राज्या फाउण्डरी, प्लाट नं. 32, जंगपुरा रोड, भोगल, दिल्ली के श्रीमक श्री रामरेखा तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय- समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) क खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 ज्न, 1968 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं. 11495/जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फ्रीदाबाद, को विवादाग्रस्त या उससे सुसंगत वा उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामाला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं. जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादाग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री रामरेखा की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो. वि/एफ.डो. / 14-84/30112.—चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. 1. एशिया फाउण्डरी, प्लाट नं. 258, सैक्टर 24, फरीदाबाद 2. मैंनेजिंग डायरैक्टर, मैं. एशिया फाउण्डरी मार्फत मैं. राजेन्द्रा फाउण्डरी, प्लाट नं. 32, जंगपुरा रोड, भोगल, दिल्ली के श्रमिक श्री इन्द्रासन तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अव, श्रोद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3 श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495-जी-श्रमं/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद, को विवादाग्रस्त या उससे संसुगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री इन्द्रासन की सेवाश्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो. वि/एफ. डी / 14-84/30120. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मं. 1. एशिया फाउण्डरी, प्लाट नं. 258, सैक्टर 24, फरीदाबाद 2. मैनेजिंग डायरैक्टर, में. एशिया फाउण्डरी मार्फत में. राजेन्द्री फाउण्डरी, प्लाट नं. 32, जंगपुरा रोड, भोगल, दिल्ली के श्रमिक श्री राजू तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (!) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिनियम की घारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादाग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादाग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री राजू की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?